

Padma Shri



SMT. PRABHABEN SOBHAGHCHAND SHAH

Smt. Prabhaben Sobhaghchand Shah, the former President of Mahila Mandal and Lions Club, is well-known for her efforts to encourage rural and urban women to be more open-minded through her organization's constructive and productive activities. Her role as a founding member of the Darnaa District Multipurpose Co-Operative Society Ltd, which was founded in 1964, is considered one of her professional highlights, as her work continues to inspire people as a powerful creative force. She has been an Executive Member of Daman Ziila Sahakari Bhandar Ltd for the past nine years.

2. Born on 20th February, 1930, Smt. Shah was inspired by Mahatma Gandhi. When she was 15, the Quit India movement was in its last stages, and high school students were being addressed about renunciation. She decided to sleep on gunny and work as a Charkha spinner for 8 hours every day during her high school years. This was the moment when the seed of a great nation was planted in her mind and heart. She was elected to the defence committee in 1965 and 1971, respectively, during India's Indo-China war and Bangladesh Partition and she and her fellow women made sweaters for the soldiers on the front lines and distributed to them.

3. Smt. Shah started running a library in 1969, with two English medium and two Gujarati medium Bal wadis, as well as awareness camps, sewing income Group Training Class, National Integration Camps, Seminars and Workshops for women's upliftment and literacy, as well as spreading awareness about environmental and consumer protection programs. She also assisted Gujarat flood victims through All India Women Council's "VASTRA BANK" in Surat. The fair-price shops that she established as a founding member of the Daman District Multipurpose Co-Operative Society are still operational.

4. Smt. Shah who aspired to have a "MANILA BHAVAN" in Daman, raised funds for its construction with the support of other Mahila Mandal members during her tenure as Treasurer, and today, the facility is all operational. In 1990, Mahila Mandal directed the establishment of a canteen in the Government Hospital in Marwad to serve patients and the needy. She established the Employment Oriented Service Bureau for low-income women. She organized a Holiday Home Camp and a trip to Pavagah, Gujarat, for students who couldn't afford train tickets. She mentored and inspired women from the Scheduled Caste in Dunetha village. As a result on February 17, 1935, Dunetha Mahila Mandal was established. She has urged women to participate in the National Savings Scheme to save money. Kendra's relentless efforts and dedication allowed for the creation of the "WOMAN ADVISORY BOARD" in Daman.

5. Smt. Shah served on the Board of Directors of the Gujarat State Social Welfare Advisory Board in Ahmedabad from 1992 to 1994. She handed out clothes, food-packets, fruits, biscuits, and other stuff to eligible children when government benefits were provided to the public through the Primary Health Center Family Care Welfare system. She appeared on the radio shows "Sakshrata Abhiyan" and "Lekhen Kaora Shibir" in November 1997. During her tenure as Dowry Prohibition Officer in 1998, she raised public awareness through several activities, including guest talks by experts against Dowry. She served as a president of the Lioness District and was designated to Daman and Diu district forum. She was also nominated to District Legal Advisory Committee of Daman and Diu in 2001 and worked in Coordination Committee for the implementation of the 1955 Immoral Traffic (Prevention) Act. The same year, she also worked in several health camps within the Medical and Health Services section of Daman and Diu's "SEVA" program. She collaborated with numerous trusts for relief works for the Kutch people's health and development following earthquake in Kutch.

पद्म श्री



श्रीमती प्रभाबेन सोभागचंद शाह

श्रीमती प्रभाबेन सोभागचंद शाह, महिला मंडल और लायंस क्लब की पूर्व अध्यक्ष हैं, और उन्हें अपने संगठन की रचनात्मक और लाभकारी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को अधिक खुले विचारों वाला होने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। 1964 में स्थापित डरना डिस्ट्रिक्ट मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की संस्थापक सदस्य के रूप में उनकी भूमिका को उनकी एक पेशेवर खासियत माना जाता है, क्योंकि उनका कार्य लोगों को एक शक्तिशाली सर्जनात्मक शक्ति के रूप में प्रेरित कर रहा है। वह पिछले नौ वर्ष से दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड की कार्यकारी सदस्य हैं।

2. 20 फरवरी, 1930 को जन्मी, श्रीमती शाह महात्मा गांधी से प्रेरित थीं। जब वह 15 वर्ष की थीं, भारत छोड़ो आंदोलन अपने अंतिम चरण में था, और हाई स्कूल के विद्यार्थियों को त्याग के बारे में बताया जा रहा था। उन्होंने हाई स्कूल की शिक्षा के दौरान चटाई पर सोने और प्रतिदिन 8 घंटे चरखा कातने का संकल्प लिया। यह वही समय था जब उनके मन में एक महान राष्ट्र का विचार पैदा हुआ था। वह 1965 और 1971 में क्रमशः भारत-चीन युद्ध और बांग्लादेश विभाजन के दौरान रक्षा समिति के लिए चुनी गईं और उन्होंने और उनकी साथी महिलाओं ने स्वेटर बनाकर अग्रिम पंक्ति के सैनिकों को वितरित किए।

3. श्रीमती शाह ने 1969 में दो अंग्रेजी माध्यम और दो गुजराती माध्यम वाली बालवाड़ी का संचालन शुरू किया और महिला उत्थान और साक्षरता के लिए जागरूकता शिविर, सिलाई आय समूह प्रशिक्षण, राष्ट्रीय एकता शिविर, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित कीं तथा पर्यावरण और उपभोक्ता संरक्षण कार्यक्रम के बारे में जागरूकता का प्रसार किया। उन्होंने सूरत में अखिल भारतीय महिला परिषद के "वस्त्र बैंक" के माध्यम से गुजरात बाढ़ पीड़ितों की सहायता की। दमण जिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति की संस्थापक सदस्य के रूप में उनके द्वारा स्थापित उचित मूल्य की दुकानें अभी भी चल रही हैं।

4. श्रीमती शाह, दमण में "मनीला भवन" का निर्माण करना चाहती थीं, इस उद्देश्य से उन्होंने कोषाध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अन्य महिला मंडल सदस्यों के सहयोग से धन जुटाया और आज यह भवन कार्य कर रहा है। 1990 में, महिला मंडल ने रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए मारवाड़ के सरकारी अस्पताल में एक कैंटीन की स्थापना की। उन्होंने कम आय वाली महिलाओं के लिए रोजगार उन्मुख सेवा ब्यूरो की स्थापना की। उन्होंने ट्रेन की टिकट खरीदने में असमर्थ विद्यार्थियों के लिए हॉलिडे होम कैंप और गुजरात के पावागढ़ की यात्रा का आयोजन किया। उन्होंने दुनेठा गांव में अनुसूचित जाति की महिलाओं को परामर्श दिया और उन्हें प्रेरित किया। परिणामस्वरूप 17 फरवरी, 1935 को दुनेठा महिला मंडल की स्थापना हुई। उन्होंने महिलाओं से बचत के लिए राष्ट्रीय बचत योजना में भाग लेने का आग्रह किया है। केंद्र के अथक प्रयासों और समर्पण से दमण में "महिला सलाहकार बोर्ड" का गठन हुआ।

5. श्रीमती शाह ने 1992 से 1994 तक अहमदाबाद में गुजरात राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड के निदेशक मंडल में कार्य किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, परिवार देखभाल कल्याण प्रणाली के माध्यम से जनता को सरकारी लाभ पहुंचाने के दौरान उन्होंने गरीब बच्चों को कपड़े, भोजन के पैकेट, फल, बिस्कुट और अन्य सामान बांटा। उन्होंने नवंबर 1997 में रेडियो शो "साक्षरता अभियान" और "लेखन काओरा शिविर" में भाग लिया। 1998 में दहेज निषेध अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने दहेज विरोधी विशेषज्ञों की अतिथि परिचर्चा सहित अनेक गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता फैलाई। उन्होंने लॉयनेस डिस्ट्रिक्ट की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया तथा उन्हें दमण और दीव जिला फोरम के लिए नामित किया गया। उन्हें, 2001 में दमन और दीव की जिला कानूनी सलाहकार समिति के लिए भी नामित किया गया था और उसी वर्ष, उन्होंने 1955 के अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के कार्यान्वयन वाली समन्वय समिति में कार्य किया था। उन्होंने दमण और दीव के "सेवा" कार्यक्रम के चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा अनुभाग के अंतर्गत कई स्वास्थ्य शिविरों में भी कार्य किया। उन्होंने कच्छ में भूकंप के बाद कच्छ के लोगों के स्वास्थ्य और विकास से संबंधित राहत कार्यों के लिए कई ट्रस्ट के साथ सहयोग किया।